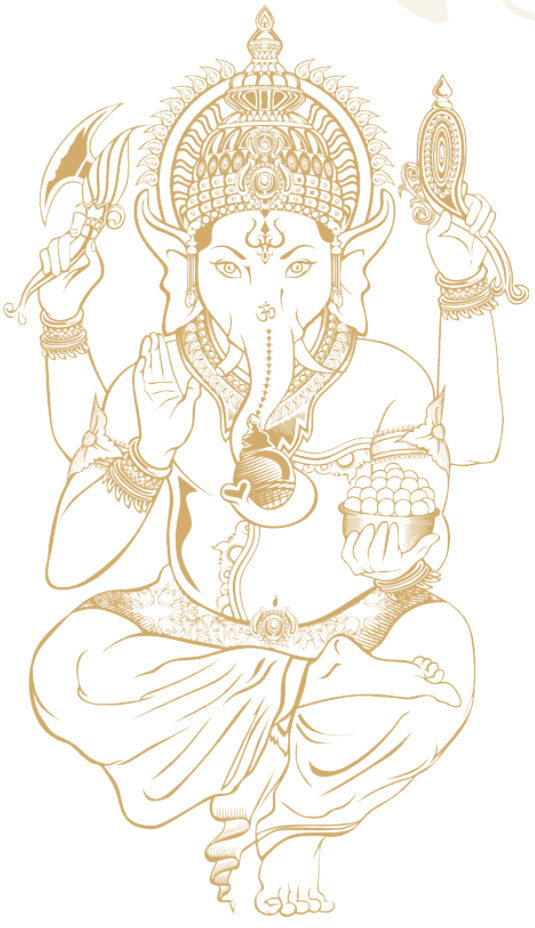

Mr.prerana

02 Sep 2004

11:25 PM

Tehri

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119600910

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/09/2004	जन्म तिथि	**03/09/2025**
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 23:25:00	जन्म समय	08:22:47 घंटे
घटी 43:49:04	जन्म समय(घटी)	06:12:14 घटी
India	देश	India
Tehri	स्थान	Tehri
उत्तर 30:21:00	अक्षांश	30:21:00 उत्तर
पूर्व 78:29:00	रेखांश	78:29:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:04	स्थानिक संस्कार	-00:16:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:22	सूर्योदय	05:53:53
18:37:24	सूर्यास्त	18:36:18
23:55:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:01

वृष	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	धनु
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
अश्विनी	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
केतु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	2
वृद्धि	योग	आयुष्मान
बालव	करण	वणिज
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
अश्व	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	सर्प
21	गत/तत्कालिक वर्ष	22

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	4	20:54:50	वृष			लग्न			कन्या	18:05:46	3	हस्त
पू०फाल्गुनी	1	16:39:54	सिंह			सूर्य			सिंह	16:39:54	1	पू०फाल्गुनी
अश्विनी	1	02:41:36	मेष			चंद्र			धनु	18:50:29	2	पूर्वाषाढ़ा
पू०फाल्गुनी	3	20:54:19	सिंह		अ	मंगल			कन्या	23:04:31	4	हस्त
मघा	1	01:49:09	सिंह			बुध		अ	सिंह	06:51:37	3	मघा
उ०फाल्गुनी	2	01:15:48	कन्या			गुरु			मिथु	24:01:58	2	पुनर्वसु
पुनर्वसु	4	01:38:12	कर्क			शुक्र			कर्क	15:53:25	4	पुष्य
पुनर्वसु	3	29:40:36	मिथु			शनि	व		मीन	05:39:29	1	उ०भाद्रपद
अश्विनी	3	09:25:24	मेष	व		राहु	व		कुंभ	24:09:10	2	पू०भाद्रपद
स्वाति	1	09:25:24	तुला	व		केतु	व		सिंह	24:09:10	4	पू०फाल्गुनी
शतभिषा	2	10:39:26	कुंभ	व		मु			कुंभ	20:54:50	1	पू०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

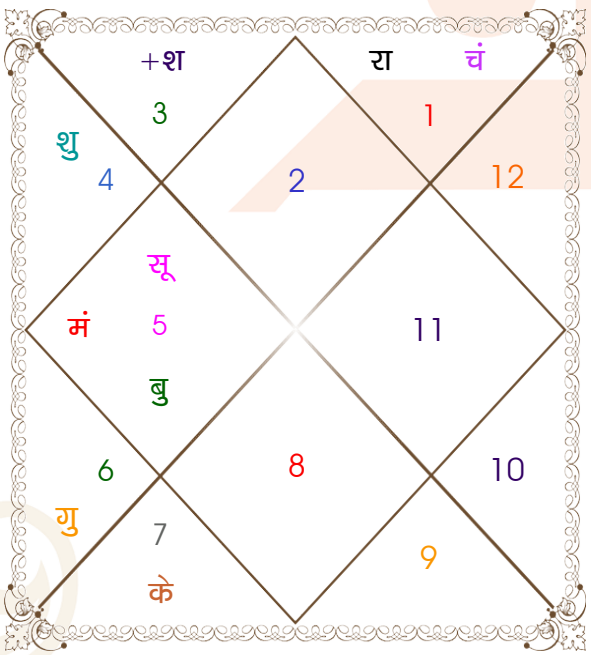

वर्ष लग्न कुंडली

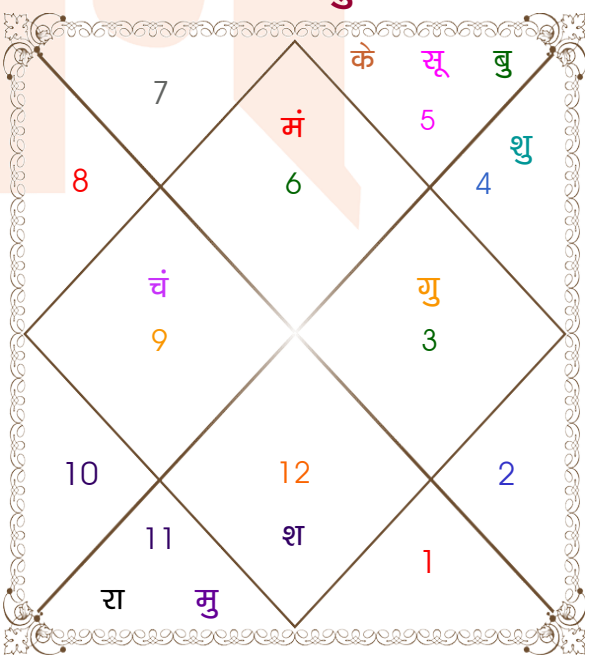

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शनि - राहु	
12/05/2025 13:30	
02/11/2025 01:21	
राहु	07/06/2025 14:05
गुरु	30/06/2025 17:16
शनि	28/07/2025 04:32
बुध	21/08/2025 18:25
केतु	31/08/2025 21:18
शुक्र	29/09/2025 19:17
सूर्य	08/10/2025 11:28
चंद्र	22/10/2025 22:28
मंगल	02/11/2025 01:21

शुक्र - शनि - गुरु	
02/11/2025 01:21	
05/04/2026 06:33	
गुरु	22/11/2025 14:51
शनि	17/12/2025 00:52
बुध	07/01/2026 21:12
केतु	16/01/2026 21:07
शुक्र	11/02/2026 13:59
सूर्य	19/02/2026 07:02
चंद्र	04/03/2026 03:28
मंगल	13/03/2026 03:22
राहु	05/04/2026 06:33

शुक्र - बुध - बुध	
05/04/2026 06:33	
29/08/2026 21:08	
बुध	26/04/2026 01:01
केतु	04/05/2026 14:16
शुक्र	29/05/2026 00:42
सूर्य	05/06/2026 08:38
चंद्र	17/06/2026 13:50
मंगल	26/06/2026 03:05
राहु	18/07/2026 02:53
गुरु	06/08/2026 16:01
शनि	29/08/2026 21:08

शुक्र - बुध - केतु	
29/08/2026 21:08	
29/10/2026 05:57	
केतु	02/09/2026 09:39
शुक्र	12/09/2026 11:07
सूर्य	15/09/2026 11:33
चंद्र	20/09/2026 12:17
मंगल	24/09/2026 00:48
राहु	03/10/2026 02:08
गुरु	11/10/2026 03:18
शनि	20/10/2026 16:42
बुध	29/10/2026 05:57

शुक्र - बुध - शुक्र	
29/10/2026 05:57	
19/04/2027 17:27	
शुक्र	26/11/2026 23:52
सूर्य	05/12/2026 14:51
चंद्र	19/12/2026 23:48
मंगल	30/12/2026 01:16
राहु	24/01/2027 22:12
गुरु	16/02/2027 22:08
शनि	16/03/2027 05:33
बुध	09/04/2027 15:59
केतु	19/04/2027 17:27

शुक्र - बुध - सूर्य	
19/04/2027 17:27	
10/06/2027 11:18	
सूर्य	22/04/2027 07:33
चंद्र	26/04/2027 15:02
मंगल	29/04/2027 15:28
राहु	07/05/2027 09:45
गुरु	14/05/2027 07:20
शनि	22/05/2027 11:57
बुध	29/05/2027 19:53
केतु	01/06/2027 20:20
शुक्र	10/06/2027 11:18

शुक्र - बुध - चंद्र	
10/06/2027 11:18	
04/09/2027 17:03	
चंद्र	17/06/2027 15:47
मंगल	22/06/2027 16:31
राहु	05/07/2027 14:59
गुरु	17/07/2027 02:57
शनि	30/07/2027 18:39
बुध	11/08/2027 23:52
केतु	17/08/2027 00:36
शुक्र	31/08/2027 09:34
सूर्य	04/09/2027 17:03

शुक्र - बुध - मंगल	
04/09/2027 17:03	
04/11/2027 01:53	
मंगल	08/09/2027 05:34
राहु	17/09/2027 06:54
गुरु	25/09/2027 08:04
शनि	04/10/2027 21:28
बुध	13/10/2027 10:43
केतु	16/10/2027 23:14
शुक्र	27/10/2027 00:42
सूर्य	30/10/2027 01:09
चंद्र	04/11/2027 01:53

शुक्र - बुध - राहु	
04/11/2027 01:53	
07/04/2028 07:26	
राहु	27/11/2027 08:43
गुरु	18/12/2027 01:27
शनि	11/01/2028 15:20
बुध	02/02/2028 15:07
केतु	11/02/2028 16:26
शुक्र	08/03/2028 13:22
सूर्य	16/03/2028 07:39
चंद्र	29/03/2028 06:06
मंगल	07/04/2028 07:26

शुक्र - बुध - गुरु	
07/04/2028 07:26	
23/08/2028 07:02	
गुरु	25/04/2028 16:58
शनि	17/05/2028 13:19
बुध	06/06/2028 02:27
केतु	14/06/2028 03:38
शुक्र	07/07/2028 03:34
सूर्य	14/07/2028 01:09
चंद्र	25/07/2028 13:07
मंगल	02/08/2028 14:17
राहु	23/08/2028 07:02

शुक्र - बुध - शनि	
23/08/2028 07:02	
03/02/2029 03:33	
शनि	18/09/2028 05:41
बुध	11/10/2028 10:47
केतु	21/10/2028 00:11
शुक्र	17/11/2028 07:36
सूर्य	25/11/2028 12:14
चंद्र	09/12/2028 03:56
मंगल	18/12/2028 17:20
राहु	12/01/2029 07:13
गुरु	03/02/2029 03:33

शुक्र - केतु - केतु	
03/02/2029 03:33	
28/02/2029 00:08	
केतु	04/02/2029 14:21
शुक्र	08/02/2029 17:47
सूर्य	09/02/2029 23:37
चंद्र	12/02/2029 01:20
मंगल	13/02/2029 12:08
राहु	17/02/2029 05:37
गुरु	20/02/2029 13:09
शनि	24/02/2029 11:37
बुध	28/02/2029 00:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्य पि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।